LEARNING PATHS SCHOOL

STUDENT EXPRESS

ISSUE #8,
September 2021
हिंदी दिवस

हिंदी भाषा

हिंदी है हमारी भाषा महान,

यही है हमारी पहचान,

14 सितंबर, 1949 को,

बनी हमारे देश की पहचान।

गर्व से बोलो हिंदी भाषा,

यही है भारत के हर जन से आशा,

जिसे मिला राष्ट्रभाषा का सम्मान,

हिंदी, हमारी भाषा महान।

परंतु आधुनिक युग में,

लुप्त हो रहा है, हिंदी का सम्मान

विदेशी भाषाओं के चलन में,

पीछे रह गया है हमारी भाषा का श्रेष्ठ इमान

आओ मिलकर प्रण लें,

विश्व स्तर पर दिलाएँगे, हिंदी को विशेष स्थान,

तभी पूरा होगा सभी हिंदुस्तानियों के दिल का अरमान।

हिंदी ही हमारे देश की शान!

विधि बांसल/10-अ

हिंदी हैं हम"

हिंदी हैं हम, वतन है हिन्दुस्तान हमारा,
कितना अच्छा व कितना प्यारा है ये नारा।
हिंदी में बात करें तो मूर्ख समझे जाते हैं,
अंग्रेज़ी में बात करें तो जैंटलमैन कहलाते हैं ।
अंग्रेज़ी का हम पर असर हो गया,
हिंदी का मुश्किल सफ़र हो गया।
देसी -घी आजकल बटर हो गया,
चाकू भी आजकल कटर हो गया।
अब मैं आपसे इज़ाज़त चाहती हूँ,
हिंदी की सबसे हिफाज़त चाहती हूँ।।

हिंदी भाषा"

हिंदुस्तानी हैं हम, गर्व करो हिंदी भाषा पर,
उसे सम्मान दिलाना और देना, कर्त्तव्य निभाना है मिलकर।।
ख़त्म हुआ विदेशी शासन,
तोड़ दो अब उन बेड़ियों को।।
खुले दिल से अपनाओ इस खुले आसमां को,
कदापि न छोड़ो धरती माँ के प्यार को।।
हिंदी हैं राष्ट्रभाषा हमारी,
इस पर करो ज़िंदगी न्योछावर सारी।।

इधा जैन/ 10-अ

‘हिंदी दिवस’

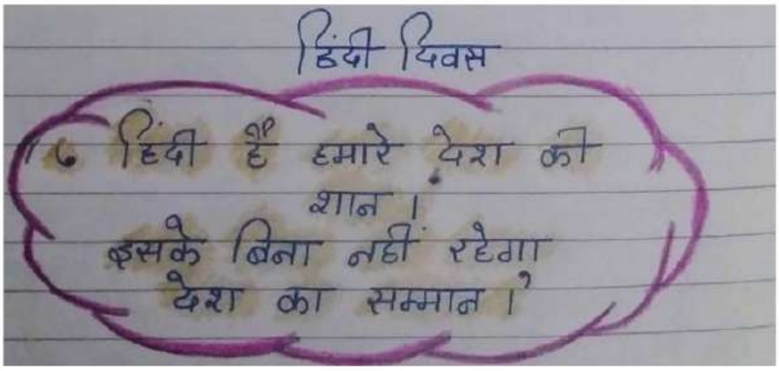

मिक्कीशा /9-अ

भारत का मान-सम्मान, भारत का अभिमान,

इसे कभी भूलना मत यारो, यह पवित्र हीरा है हिंदी भाषा महान।

नक्षत्र राज /9-अ

भारत की जान है हिंदी, हमारी शान है हिंदी,

जोड़े यह जन-जन को, भाती है सबके मन को

अविस्ता /9-अ

नारा लेखन

मन की भाषा, प्रेम व स्नेह की भाषा,

हिंदी है भारत के जन-जन की भाषा।

प्रयांग/9-अ

गाँधी जी को आशा थी, प्रगति होगी हमारे देश की,

तभी हिंदी बनी राष्ट्रभाषा हमारे देश की।

रुद्राक्ष/9-अ

हिंदी दिवस पर हमने ठाना है,

जन-जन में हिंदी का स्वाभिमान जगाना है।

कनन कौर/9-ब

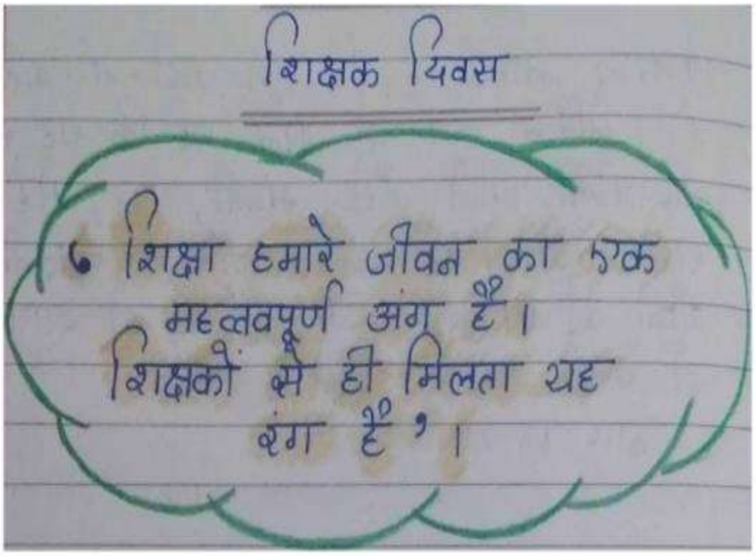

शिक्षक दिवस

'शिक्षा हमारे जीवन का एक
महत्वपूर्ण अंग है।
शिक्षकों से ही मिलता यह
रंग है'।

मिक्कीशा/9-अ

जो बिना किसी स्वार्थ के,अपनी परवाह किए बिना,

विद्यार्थी के अच्छे कल के लिए उन्हें पढ़ाए,

वह सच्चा शिक्षक कहलाए।

नक्षत्र राज/9-अ

गलत राह में भटकने पर, जो हमें सही रास्ता दिखाता है

वह सच्चा गुरु कहलाता है।

आरुशी ठाकुर/9-अ

जो हमें प्रगति के रास्ते दिखाते हैं, शिक्षक कहलाते हैं।

देते हैं वे हमारे भविष्य को स्वरूप, सचमुच वे हैं ईश्वर का दूसरा रूप।

अविस्ता/9-अ

गुरु के बिना ज्ञान नहीं, ज्ञान के बिना मान नहीं,

गुरु ने दी शिक्षा जहाँ, ज्ञान का भंडार है वहाँ

प्रयांग/9-अ

जिस तरह माँ बिना परिवार अधूरा, उसी तरह गुरु बिना ज्ञान अधूरा।

रिधिमा/9-अ

ज्ञान बिना हम सब महान नहीं, शिक्षकों के बिना हमारी पहचान नहीं।

शौर्य/9-अ

शिक्षक न होते तो, यह दिन कैसे आता

जब हर छात्र पढ़ लिखकर अच्छा इंसान बन जाता।

अर्ज़ जौहर/ 9-ब

शिक्षक मेरे भाग्य विधाता,

जिनसे पाकर ज्ञान मैं इठलाता।

आपने देकर मुझे ज्ञान,

समाज में बनाया एक अच्छा इंसान।

शुभांगी सांवत/9-ब

हर चुनौती को आपकी सीख ने ही सुलझाया,

जहाँ मैं बार-बार हारा, आपने साथ निभाया।

मंथन शर्मा/9-ब

मित्रता

मित्रता में कोई नियम नहीं होता, पर अच्छे मित्र बिना कोई जीवन नहीं होता।

अर्शप्रीत/8-अ

सायशा चोपड़ा/छः-अ

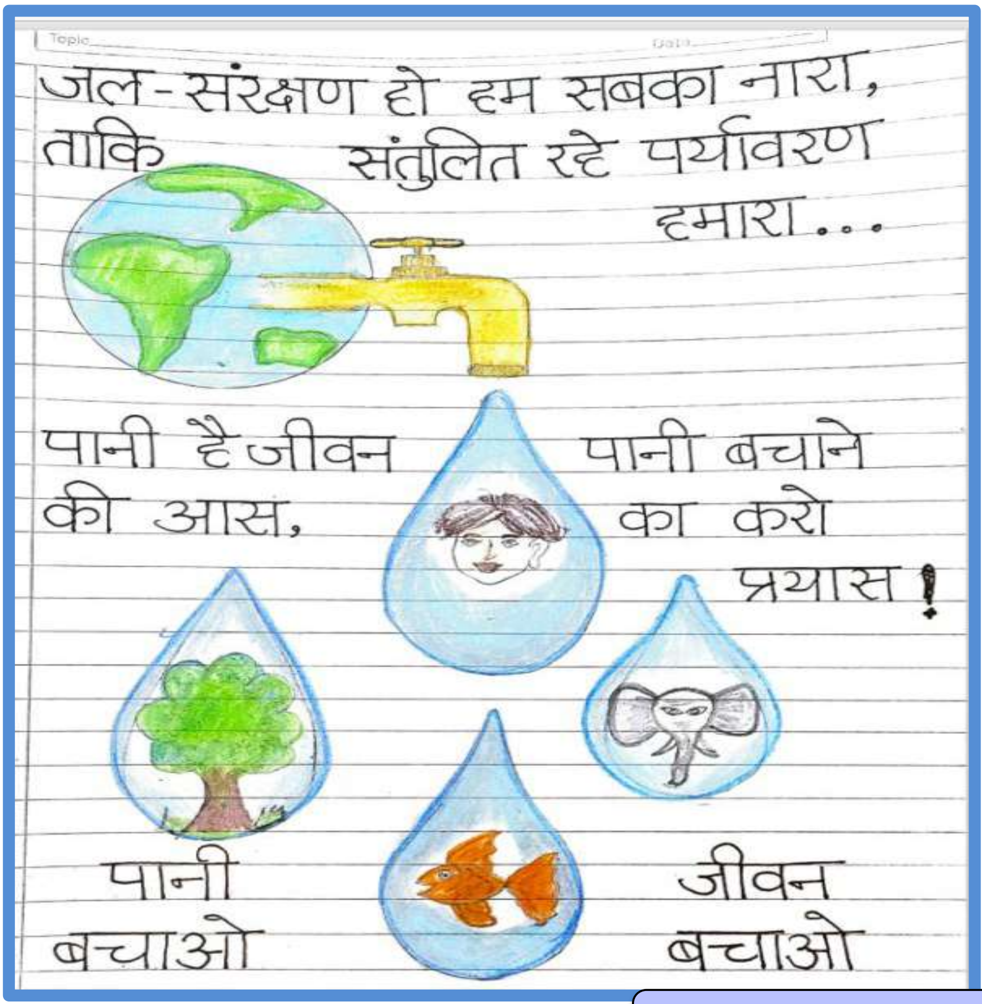

सहजबीर सिंह /छः -बी

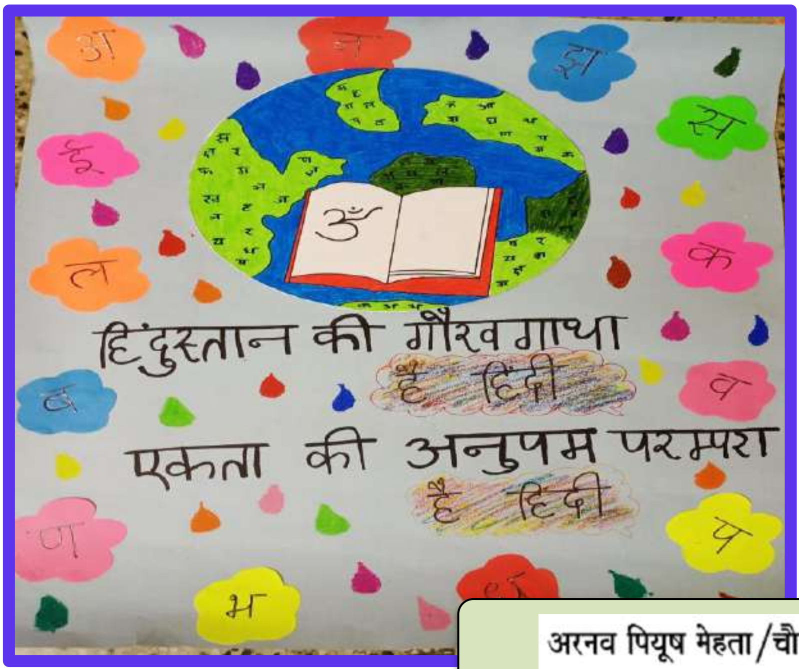

अरनव पियूष मेहता/चौथी-बी

हास्य रस

दादी! मुझे आपसे एक बात पूछनी है।
पूछो!!
जीवन में अनुभव ज़्यादा काम आता है या पढ़ाई?
दोनों
देखो! मेरा अनुभव तुमसे अधिक है इसलिए मैं जीवन की छोटी-बड़ी मुश्किलें सुलझा सकती हूँ लेकिन.......
कैसे?
तुम्हारी पढ़ाई ज़्यादा है इसलिए कंप्यूटर चलाना मुझे तुमसे सीखना पड़ेगा! हा..हा..हा..!!

मम्मी - पापा, आपको क्या लगता है —— अनुभव बड़ी चीज़ है या पढ़ाई?
उफ़!!!!! लगता है मेरी बस आ गई। भागना पड़ेगा!
मेरा अनुभव कह रहा था कि कुछ ऐसा ही होने वाला है।

दीदी! आपको क्या लगता है, किताबी पढ़ाई बेकार है? क्या अनुभव अधिक ज़रूरी है?
कक्षा में अच्छा करने के लिए तो किताबें पढ़नी ही पड़ेंगी पर....
मगर दीदी, दोस्त बनाने के लिए तो अनुभव चाहिए ना?
तुम स्कूल दोस्त बनाने जाती हो या पढ़ने! मम्मी...

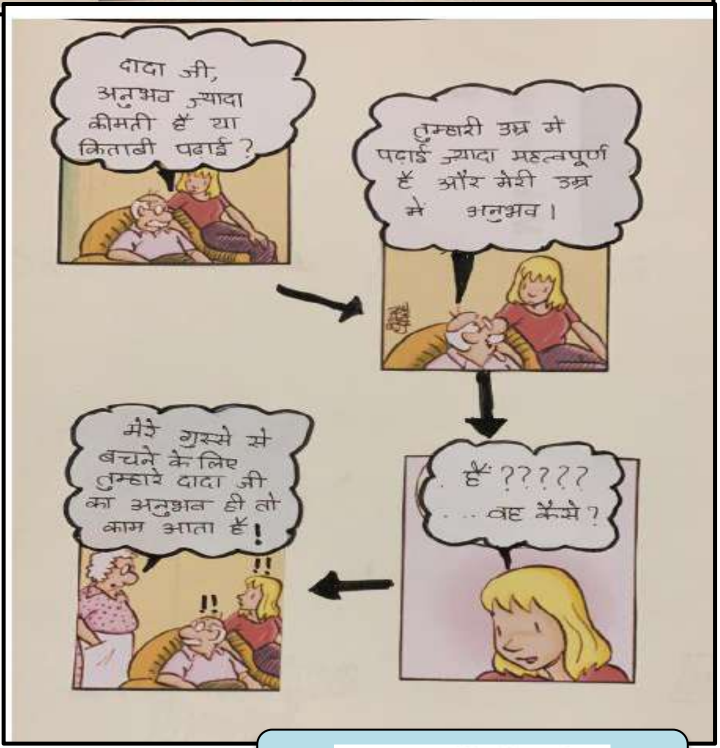
दादा जी, अनुभव ज़्यादा कीमती है या किताबी पढ़ाई?
तुम्हारी उम्र में पढ़ाई ज़्यादा महत्वपूर्ण है और मेरी उम्र में अनुभव।
हैं????? ...वह कैसे?
मेरे गुस्से से बचने के लिए तुम्हारे दादा जी का अनुभव ही तो काम आता है!
!!
!!

अनुष्का पॉल/10-बी

कोरोना के नुस्खे

बहुत से इलाज बतावे जन मानस सब,
किसकी सुने, किसकी न सुने,
तुम्हीं बताओ मेरे रब!
लॉकडाउन में स्वादिष्ट व्यंजन बनाने हैं,
खुद बाहर नहीं जाना पर घर वालों के पेट तो बाहर लाने हैं।
तेज़ी से बढ़ रही है महामारी,
अब दादी-नानी के नुस्खों को भी तो अपनाना है।
बच्चे-बुजुर्ग सबको अब रोज़ काढ़ा पिलाना है।
मैंने सुना है लोग कहते हैं, एक चम्मच गुनगुने पानी में घोला जाएगा,
घर के हर सदस्य को कोरोना से बचाएगा।
अरे! बहुतों ने, तो अदरक में प्याज़ का पानी पिलाया,
तो कइयों ने, चाय को ही इसका रामबाण बताया।
टेलीविज़न चालू करते ही आते हैं कोरोना के ऐसे-ऐसे समाचार,
देखकर हम भी बैठ जाते हैं घर पर लाचार ।

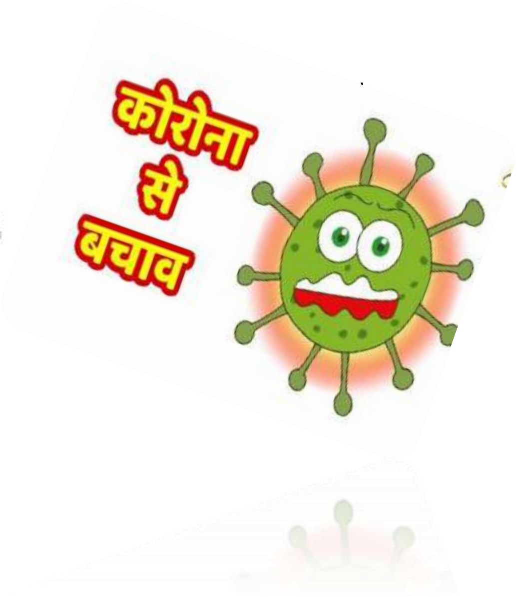

छः फीट की दूरी बनाए रखने का है अनुरोध आपसे,
अरे भाइया! कहीं हो न जाए आपके साथ भी कोई हादसे।
मास्क पहनना है ज़रुरी, घर से तभी बाहर जाना जब हो मज़बूरी।
देखो तो ज़रा, कैसा युग आ गया है?
हैंड सैनिटाइज़र लगाने वाला, विजेता कहला गया है।
अब हर सवेरे उठकर व्यायाम तो पक्का करना है,
अब तो आदत-सी हो गई है, मगर कोरोना से फिर भी डरना है।

वानी धीमान/ 10-अ

जो सही राह दिखाए सबको,
लक्ष्य जिसने एक ही ठाना है,
ज्ञान बाँटना है, सबमें जिसको

उन्हें हमने शिक्षक माना है...।
जो अपने से पहले रखे हमें,
जिसने ज्ञान पाना है,
जो बाँटे ज्ञान सबको,
उन्हें हमने शिक्षक माना है...।

जो गलतियाँ सुधारे सबकी,
सबका सामर्थ्य जिसने पहचाना है,
मदद करते लक्ष्य पाने में जो सबकी,
उन्हें हमने शिक्षक माना है...।

जो ज़रुरतें रखता है बाद में अपनी,
अभिमानरहित सबने माना है,
जो न्योछावर करदे विद्यार्थी पर ज़िंदगी अपनी,
उन्हें हमने शिक्षक माना है...।

कननरीत कौर/10-अ

हिंदुस्तान : अपना वतन

हिंदुस्तान वतन है अपना, गर्व से सिर सदा ऊँचा रखना,

रीत यही बरकरार रहे, ऐसी ईश्वर से प्रार्थना करना।

दुश्मनों के सीने चीर देंगे, जड़ से उन्हें उखाड़ देंगे,

हिम्मत कभी नहीं हारेंगे हम, औलाद भारत की दिल से है हम।

आज़ादी के फंदे पहने हैं, किसी की मुट्ठी में ना आएँगे,

सामने आकर दिखलाए कोई, जी-जान से सामना कर जाएँगे।

मेरे देशवासियों सबसे मेरी ये गुहार है, मिट्टी है अपनी सम्मान देना,

टूटने न देना कभी इसका दिल, ताज़ सदा इसे पहनाए रखना।

ये प्यारा-सा वतन है अपना, इसको अपना बनाए रखना,

हमको मिला आशीर्वाद है ये, खुशी-खुशी सदा अपनाए रखना।

हिंदुस्तान वतन है अपना, गर्व से सिर सदा ऊँचा रखना,

रीत यही बरकरार रहे, ऐसी ईश्वर से प्रार्थना करना।

त्रिजल गोयल /10-अ

शिक्षक दिवस

शिक्षक दिवस आता है

शिक्षक की महानता याद दिलाता है।

शिक्षक होते हैं भगवान समान,

दे जाते हैं हमें अमूल्य ज्ञान।

जीवन में शिक्षा ग्रहण करना है ज़रूरी,

इसके बिना ज़िंदगी है अधूरी।

जीवन में जितने भी सफ़ल हो जाओ,

अपने शिक्षक को मत भूलना,

ऐसे व्यक्ति की तुम..

नहीं कर सकते किसी से भी तुलना।

भुवनीश सिंह/10-अ

जल संकट : अब चर्चा नहीं...

पानी के गुणगान तो सभी गाते हैं,

पर बिना देखे बर्बाद भी कर जाते हैं।

इस बर्बादी में है सभी का योगदान,

समस्या भयंकर बनती जा रही है,

इसलिए सबको देना चाहिए अब ध्यान।

पानी ही है जीवन यह समझने की बारी आई है,

यही है बिल्कुल सत्य, किसी ने अफवाह नहीं फैलाई है।

अगर यूँ ही होती रही जल की बर्बादी,

तो एक दिन धरा से खत्म हो जाएगी सारी आबादी।

जल की बर्बादी पर लगाओ प्रतिबंध,

वरना आगे चलकर पानी के लिए लोगों के बीच हो जाएगा द्वंद्व।

जल है महत्वपूर्ण, यह समझना बहुत ज़रुरी है,

अब चर्चा नहीं, कोई ठोस कदम उठाने की बारी है।

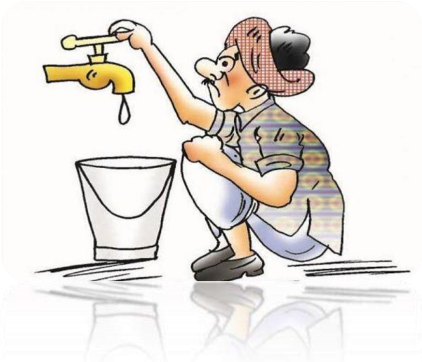

आरव जैन/8-ब

जल संकट

हर क्षण मदद माँगता - है संकट में स्थिर-अविचल जल,
पुकारता हमें निरंतर ढूँढ़ो कोई हल। ....
घरों में आता पानी अस्वच्छ , देर हो जाएगी यदि न किया हमने कुछ !
नदियों में बहता अब पानी निर्मल ,
अगर आज न उठाया कोई ठोस कदम
तो पछतायेंगे हम हर पल , आज और कल !

गन्दा पानी जल्द ही बन जायेगा, हमारे लिए दलदल
□क पल भी न बर्बाद करो, निकालो कोई हल।
यदि धरती माँ को बचाना चाहो ,
व्यर्थ पानी को बहने से बचाओ ,
नदियों में जमे मल व कचरे को हटाओ ,
मिलकर स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाओ।

काम्या शर्मा/8-अ

कॉमिक स्क्रिप्ट

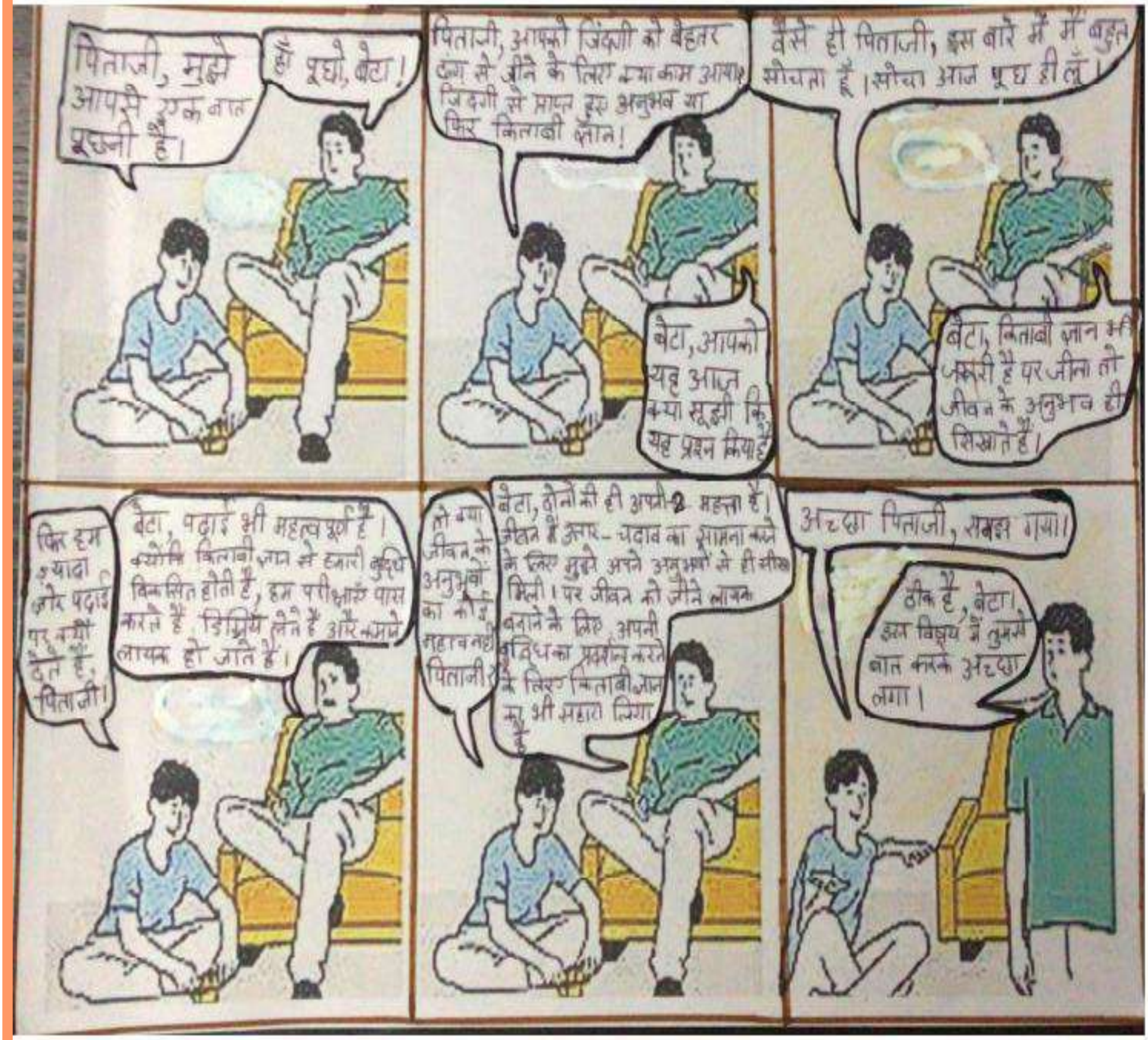

अक्षय खुराना/10-अ

कॉमिक स्क्रिप्ट

- विधि बांसल X-A
माँ आपने अपने जीवन को बेहतर ढंग से जीने के लिए कौनसे गुणों को अपनाया ?
मस्क, मैंने हमेशा सादा, सच्चा और संतुष्ट जीवन जीने का प्रयास किया है। मैं हमेशा सीमित संसाधनों में भी खुश रही हूँ।
मैंने हर काम को पूरी निष्ठा और लगन से किया है और इससे सफलता प्राप्त की है। मैंने कठिनाईयों से घबराकर हार नहीं मानी।
वाह माँ! मुझे यह सुनकर बहुत अच्छा लगा। आप मुझे अपने जीवन के कुछ और अनुभवों के बारे में भी बताइए।
देखो बेटा। ज़िंदगी में उतार-चढ़ाव आते ही रहते हैं पर हमें कभी उनसे घबराना नहीं चाहिए।
हाँ बेटा! हमें दिशा चुनकर बस आगे बढ़ते जाना चाहिए और पीछे मुड़कर अपने माता-पिता को तो देख ही लेना चाहिए। यह तो बस एक मज़ाक था।
वैसे बेटा, मैंने सदैव अपने सामर्थ्य और कमज़ोरियों को ध्यान में रखते हुए ही जीवन का प्रत्येक निर्णय लिया है। साथ ही मैंने कभी दूसरों से अपने जीवन की तुलना नहीं की।
माँ और पिता जी, मुझे अपने जीवन के इतने मूल्यवान अनुभवों को बताने के लिए मैं आपका धन्यवाद करती हूँ। मैं इन्हें अपने जीवन में अपनाकर अपने जीवन को बेहतर ढंग से जीने का प्रयास करूँगी। मेरे लिए यह बातचीत बहुत प्रेरणादायक रही।

जीवन के लिए पेड़ ज़रूरी,

बिन पेड़ों के धरती अधूरी।

शुद्ध हवा और छाया देते,

इसके बदले में नहीं कुछ लेते।

वर्षा लाते, फल भी देते,

जीवन के सारे सुख देते।

हम सब मिलकर पेड़ लगाए,

वातावरण को शुद्ध बनाए।

वर्षा का मौसम सुहाना है,

हम सब को मिलकर वृक्ष लगाना है।

पेड़ लगाने की ऋतु आई,

अब हम देर करे न भाई।

इस धरती को स्वर्ग बनाएँ,

आओ हम सब मिलकर पेड़ लगाएँ।

हुनर/8-सी

जल संकट

पानी के अभाव से संसार के सारे जीव मर जाएँगे,
अगर पानी खत्म हुआ तो हम कहाँ जाएँगे।
पानी हमारे जीवन के लिए बहुत ज़रुरी है,
जल संकट के आने की तैयारी पूरी है।
खाना बनाने एवं अन्य कार्यों के लिए पानी की आवश्यकता है,
क्या आपको नहीं लगता कि पानी बर्बाद करना अशिष्टता है।
हम अपने शरीर को स्वस्थ व साफ़ करने के लिए नहाते हैं,
'पानी को न बर्बाद करो' ये हमें विद्यालयों में भी सिखाते हैं।
पानी हमारी बुनियादी ज़रुरतों में से एक है,
और इस जल संकट के कारण अनेक हैं।
'क्या भविष्य में पर्याप्त पानी होगा ?' ये सोचकर हम चिंतित हैं।
लेकिन उम्मीद अभी जीवित है।
तो आओ हम सब मिलकर यह निश्चय करें,
पानी का दुरुपयोग बंद करें।
लंबे समय तक शॉवर का इस्तेमाल न करें,
घर के हर नल को ठीक करें।
बूँद-बूँद से सागर भरे,
बूँद-बूँद व्यर्थ न करें।

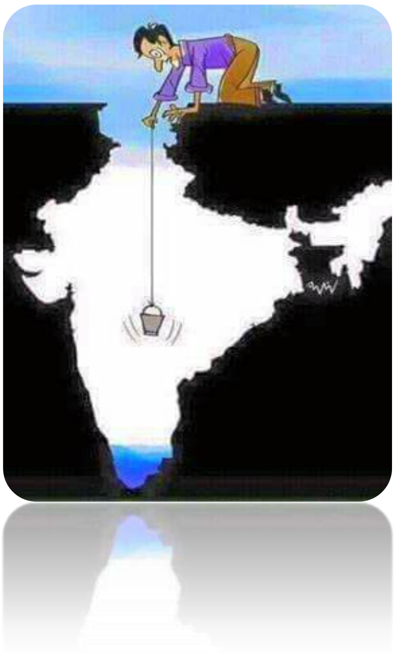

एशनी/8-ब

s

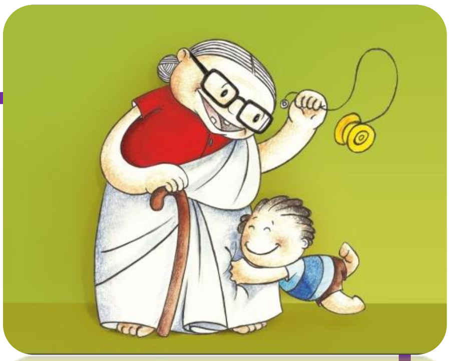

स्वरचित कविता : दादी के साथ बिताए पल

छुट्टियों में जब हम दादी से मिले ,
हम सबके मन फूलों की तरह खिले।
हमने छुटियाँ कुछ ऐसे मनाईं ,
खूब कागज़ की नाव चलाई।
दादी खेतों से ताज़ी सब्ज़ियाँ लातीं
प्यार से बनाकर हमें खिलातीं ,फिर खुद खातीं।
मन में आता ,समय क्यों नहीं चलता धीरे
कुछ समय हम और मिलकर खा लेते ताज़े खीरे।
शाम होते ही हम सैर को जाते ,
गाँव के दृश्य हमें बहुत ही भाते।
मंदिर जाकर वे घंटी बजातीं
हमें भी पूजा करने को बुलातीं।
वापस आने का जब समय आया।,
दादी ने फरमान सुनाया
अगले बरस तुम जल्दी आना ,
देखो कहीं भूल ना जाना।
यह सुनकर मेरा मन भर आया
और दादी को गले लगाया।

भवनूर सिंह
कक्षा - ४ ब

LEARNING PATHS SCHOOL
STUDENT EXPRESS
ISSUE #8,
September 2021
हिंदी दिवस

ज़िनिया / छः -सी

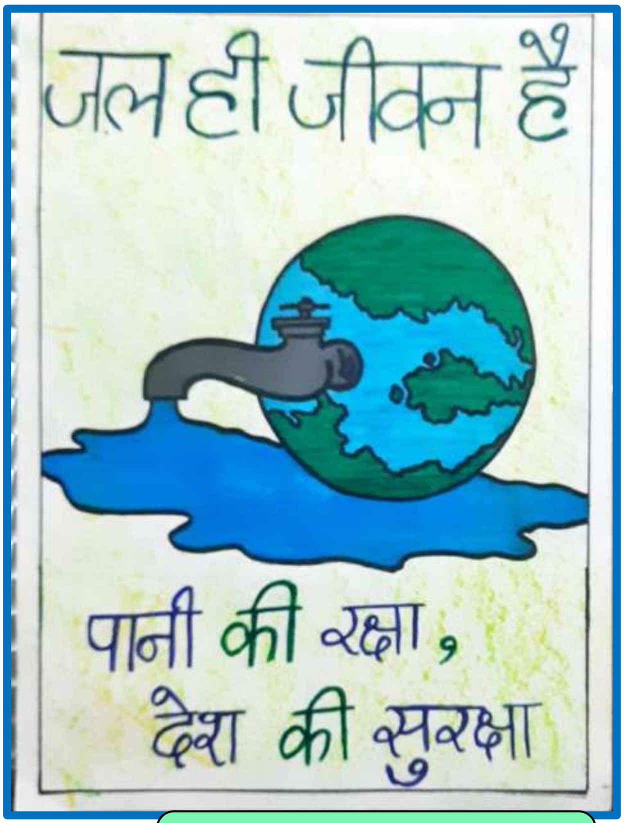

काव्या बंसल / छः-बी

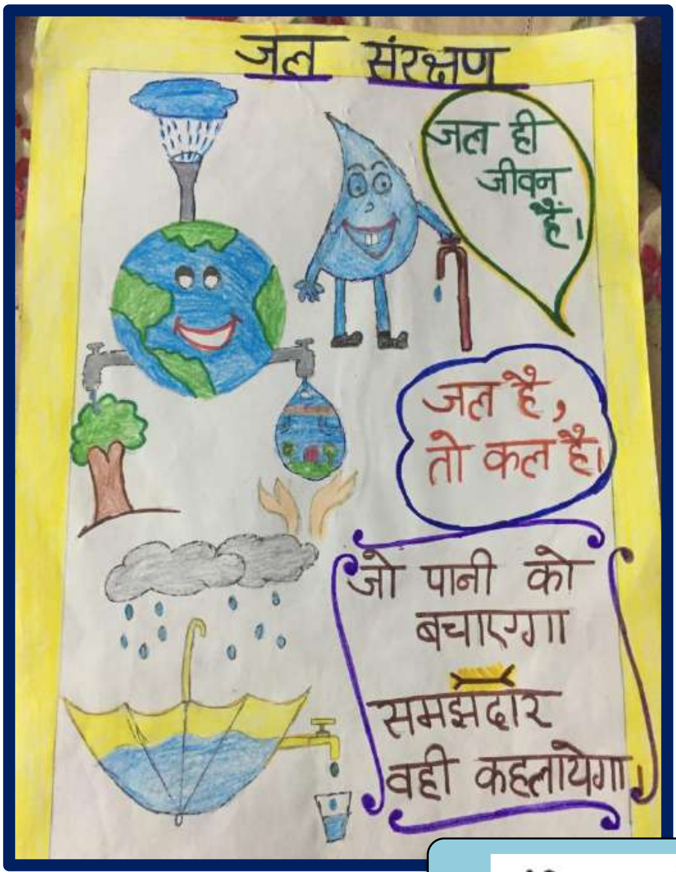

सोमिल ठाकुर / छः-डी

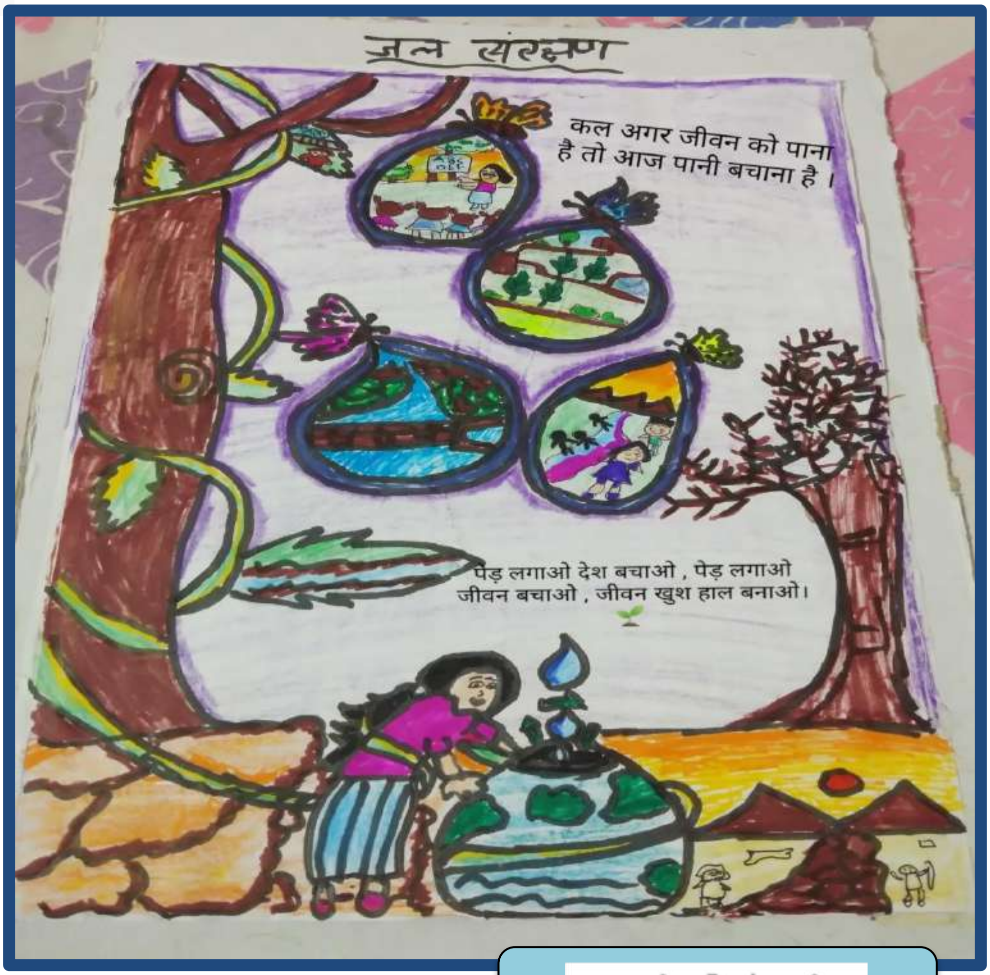

मन्नतप्रीत कौर/ छः-डी

नवप्रीत सिंह/छः-अ

कॉमिक स्क्रिप्ट

रितोश्री मंडल/10-बी